वाराणसी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे** के लिये **2869.65 करोड़ रुपए** की अनुमानित लागत के साथ एक व्यापक विकास योजना को मंज़ूरी दी।

- **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)** इस परियोजना की देख-रेख करेगा, जिसका उद्देश्य **हवाई अड्डे की यात्री संचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करना है।**

मुख्य बिंदु:

- इस परियोजना में **एक नया टर्मिनल बनाना, रनवे को लंबा करना और एप्रन को विस्तृत करना शामिल है।**
  - आगामी टर्मिनल **75,000 वर्ग मीटर** में विस्तृत होगा, जो प्रतिवर्ष **6 मिलियन** यात्रियों की सेवा करेगा तथा व्यस्त समय में **5,000 यात्रियों** को संभाल सकेगा।
  - इसमें **वाराणसी की सांस्कृतिक विरासत** को प्रदर्शित किया जाएगा तथा यात्रियों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया जाएगा।
- हवाई अड्डा **ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, कार्बन उत्सर्जन को कम करने, सौर ऊर्जा का उपयोग करने और प्राकृतिक प्रकाश को अधिकतम करने** के माध्यम से **पर्यावरणीय स्थिरता** को प्राथमिकता देकर **पर्यावरण-अनुकूल हवाई अड्डे** में परिवर्तित होने की राह पर है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)

- इसका **गठन संसद के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994** द्वारा किया गया था तथा यह **1 अप्रैल, 1995 को** तत्कालीन **राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण को मिलाकर अस्तित्व में आया।**
- इस विलय से एक संगठन अस्तित्व में आया जिसे देश में ज़मीन और हवाई क्षेत्र में नागरिक विमानन अवसंरचना के सृजन, उन्नयन, रखरखाव तथा प्रबंधन की ज़िम्मेदारी सौंपी गई।